पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/2015-17 प्रकाशित: 01.12.2015 इस अंक का मूल्य 2 रुपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868002130

रविवार 13 दिसम्बर के **आर्य समाजों के कार्यक्रम** परिषद् अध्यक्ष **डा. अनिल आर्य** सभी जगह पंहुचेगे। (1) **आर्य समाज, सैक्टर-33, नोएडा** का वार्षिकोत्सव (2) **आर्य समाज, छतरपुर, नई दिल्ली** का वार्षिकोत्सव (3) **आर्य समाज, रेलवे रोड़, रानी बाग, दिल्ली** का वार्षिकोत्सव। सभी **कार्यक्रम प्रातः 8 बजे से दोपहर 1.30 बजे** तक मनाये जायेगें। अपने निकट के कार्यक्रम में सपरिवार सम्मिलित हों।

वर्ष-32 अंक-11 मार्गशीर्ष-2072 दयानन्दाब्द 191 01 दिसम्बर से 15 दिसम्बर 2015 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.
प्रकाशित: 01.12.2015, E-mail : aryayouthn@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

करनाल में केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की हरियाणा प्रान्तीय बैठक सफलता पूर्वक सम्पन्न

प्रत्येक जिले की ईकाई को मजबूत बनाने पर बल दिया जाये —डा.अनिल आर्य

बुधवार, 25 नवम्बर 2015, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् हरियाणा की प्रान्तीय कार्यकर्ता बैठक आर्य समाज, सैक्टर–13, करनाल में श्री सत्येन्द्र मोहन कुमार (प्रधान,आर्य केन्द्रीय सभा करनाल) की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा. अनिल आर्य ने कहा कि आज दिग्भ्रमित होती युवा शक्ति को भारतीय संस्कृति में रंगने व अपने कर्तव्य के प्रति जागरूक करने की आवश्यता बढ़ गयी है,संस्काारित चरित्रवान युवा शक्ति राष्ट्र को समर्पित करने की जिम्मेदारी आर्य जनों की ओर अधिक बढ़ गयी है जिसका निर्वाह आप लोगो को करना ही है, डा.आर्य ने हरियाणा के प्रत्येक जिले में परिषद् की ईकाईयों को मजबूत बनाने का आह्वान किया। इस समय भारतीय संस्कृति पर हो रहे चौतरफा आक्रमणों के बीच आर्य जनों को पुनः संघर्ष के लिय तैयार रहना होगा। दानवीर चौ.लाजपतराय आर्य ने कहा कि करनाल की नगरी अपनी गरिमा के अनुरूप दिल्ली आर्य महासम्मेलन को सफल बनाने में पूरा सहयोग प्रदान करेगी। श्री शांतिप्रकाश आर्य ने कहा कि परिषद् के प्रयास की सराहना करता हूँ तथा आर्य युवा निर्माण के कार्य को ओर अधिक तीव्र गति से चलाने की आवश्यकत है ।

बैठक का कुशल संचालन प्रान्तीय अध्यक्ष श्री स्वतन्त्र कुकरेजा ने किया। श्री वीरेन्द्र योगाचार्य (प्रान्तीय महामन्त्री) ने अपनी गतिविधियों का लेखा जोखा देते हुए युवा निर्माण का कार्य तीव्र गति से चलाने का संकलप दोहराया। श्री अश्वनी आर्य (नरवाना), श्री वेदप्रकाश शास्त्री (फरीदाबाद), श्री जितेन्द्र सिंह आर्य, श्री धर्मपाल आर्य (राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष), श्री गोपाल शर्मा(कुरूक्षेत्र), श्री भोपालसिंह आर्य, श्री अशोक जांगड़ (रोहतक), श्री शमशेर आर्य, श्री ओमप्रकाश सचदेवा, श्री अजय आर्य, श्री हरेन्द्र चौधरी, श्री जिलेसिंह आर्य (दादुपुर) आदि ने भी अपने विचार रखे।

दिल्ली के मुख्यमन्त्री श्री अरविन्द केजरीवाल का अभिनन्दन

मंगलवार, 24 नवम्बर 2015, दिल्ली के मुख्यमन्त्री श्री अरविन्द केजरीवाल से केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 15 सदस्यीय प्रतिनिधि मण्डल ने उनके निवास पर भेंट की। मुख्यमन्त्री से चर्चा करते डा. अनिल आर्य व द्वितीय चित्र में– श्री अरविन्द केजरीवाल को महर्षि दयानन्द का चित्र व शाल भेंट कर अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, वेदप्रकाश आर्य, देवेन्द्र भगत, रामकुमार सिंह, गोपाल जैन, कै. अशोक गुलाटी, विनोद कुमार, माधव सिंह, सुरेश आर्य आदि।

दानी महानुभावों से अपील

यदि आप केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों से सन्तुष्ट हैं तो हमें सहयोग करें,कृपया अपना सहयोग परिषद् के खाता सं. 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया, घन्टाघर, दिल्ली–110007, आई.एफ.एस.कोड -SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. 9868002130 पर एस.एम.एस कर दें जिससे रसीद भेजी जा सके। अग्रिम धन्यवाद सहित

— डा. अनिल आर्य, मो.09810117464.

भारत वर्ष ही आर्यो की मूल भूमि है

- संदीप आर्य

नव भारत टाइम्स (मुम्बई) में सितम्बर 2014 में एक खबर छपी 'भारत के अतीत के बारे में दिल्ली यूनिवर्सिटी इतिहास की किताबें नए सिरे से लिखने के एक प्रोजेक्ट पर काम करेगी। इतिहास की किताबों में लिखा हुआ है कि करीब 3500 साल पहले विदेशी आर्यो के कबीले पहाड़ों को पार कर भारत आए।

किन्तु यदि हम प्राचीनतम इतिहास व अन्य शास्त्रों को पढ़े, पुराने दस्तावेजों व लेखों को खंगाले तो उक्त विदेशी धारणा गलत साबित हो जाएगी। यह बात तो सत्य ही है कि आर्य जाति ही भारत देश की प्राचीनतम मूल जाति थी। किन्तु अंग्रेजों की गलत नीतियो एवं शिक्षा प्रणाली के कारण उन्होंने हमारे इतिहास में अनेक मिथ्या जानकारियाँ लिख दी तथा उन्होंने हमें हमारे ही देश में विदेशी बना दिया।

वेद विश्व का प्राचीनतम धार्मिक ग्रन्थ माना जाता है, जिनका दर्शन-प्रवचन भारत के ऋषियों द्वारा किया गया। ये ऋषि आर्यो के आदि पूर्वज माने जाते है अत: आर्य ही भारत के पूर्वज सिद्ध होते हैं। वेद में कही भी उल्लेख नहीं है कि हम विदेशी थे। वेद के बाद दुनिया का प्राचीनतम ग्रन्थ मनु महाराज द्वारा रचित मनुस्मृति है उसमें लिखा है- **एतद्देश प्रसूतस्य सकाशाद् अग्रजन्मनः, स्वं स्वं चरित्रं शिक्षेरन् पृथिव्यां सर्वमानवाः।** इसका भावार्थ यह हुआ कि प्राचीन काल में इसी आर्यावर्त देश में उत्पन्न विद्वानों से समस्त विश्व के लोग शिक्षा व ज्ञान प्राप्त किया करते थे। आर्यो के रहने वाले इस देश को आर्यावर्त्त कहकर पुकारा जाता था इस प्रकार आर्य इस भूमि के मूल निवासी हुए।

वाल्मीकि रामायण का रचनाकाल कई हजार वर्ष पूर्व का माना जाता है यह संस्कृत का महाकाव्य भी है। आर्यो की मूल भाषा संस्कृत थी, अत: यह ग्रन्थ आर्यो का ऐतिहासिक ग्रन्थ हुआ। इस दृष्टिकोण से भी आर्यो को ही देश की मौलिक नागरिकता प्राप्त होती है। रामायण में वर्णित सभी नगर व प्रान्त भारत के ही है, इतर नहीं। रामायण में राम ने कई बार लक्ष्मण के लिए 'आर्य' शब्द का प्रयोग किया। स्वातन्त्र वीर सवारकर ने अपनी पुस्तक 'हिन्दुत्व' में लिखा है-'महान् प्रतापी राजा राम ने अपनी विजय पताका हिमगिरि से महासागर तक फहराई तथा उन्होंने समस्त भारत में अपना सार्वभौम राज्य स्थापित किया।'

महाभारत काल जो कि 5000 वर्ष पुराना माना जाता है, उस महाभारत युद्ध में भारत की ही भौगोलकि सीमाओं का वर्णन आता है। स्वामी दयानन्द सरस्वती जी ने अपनी पुस्तक 'सत्यार्थ-प्रकाश' में लिखा है कि उस महाभारत काल में चीन, अमेरिका, युरोप, यूनान, ईरान आदि देशों के राजाओं ने यहाँ आकर राजसूय यज्ञ में भाग लिया। वे लिखते हैं कि स्वायम्भुव राजा से लेकर पाण्डव पर्यन्त भारत में आर्यो का ही चक्रवर्ती राज्य रहा। मैत्रेयी उपनिषद् में भी लिखा है कि सृष्टि से लेकर महाभारत पर्यन्त भारत में आर्यकुल के अनेक चक्रवर्ती राजा हुए। भारत के प्रथम राजा से लेकर भरत तक ने भारत पर राज्य किया इससे स्पष्ट है कि आर्यो का भरत पर राज हजारों लाखों वर्ष पुराना है। राजा भारत आर्यकुल के सुप्रसिद्ध राजा हुए, उसी के नाम से हमारे देश का नाम आर्यावर्त्त से भारतवर्ष पड़ा। इनका राज्य काल महाभारत से भी अनेक वर्ष पूर्व का था, तो अंग्रेजों की धारणा की आर्य लोग 3500 वर्ष पूर्व भारत आए, गलत साबित हो जाती है क्योंकि महाभारत काल का ही समय आज से 5000 वर्ष पूर्व का है। किसी भी राज्य में जब वहाँ के लोग निवास करते हैं तो वे उस राज्य का कोई नाम रखते हैं। यदि कोई भारत को द्रविड़ों का देश मानता है तो बतलाए कि द्रविड़ों ने भारत का क्या नाम रखा था? इस प्रश्न का उत्तर किसी के पास नहीं है। द्रविड़ लोग इस देश का नाम आर्यावर्त्त अथवा भारतवर्ष तो नहीं रख सकते। यदि उन द्रविड़ों के देश का कोई अपना नाम नहीं, उनका कोई प्रमाणित इतिहास नहीं, कोई अपना धर्म ग्रन्थ नहीं, कोई साहित्य नहीं, तो किस आधार पर हम भारत को द्रविड़ों का देश मानने का दुराग्रह कर सकते है। इसी प्रकार जब कोई मानव जाति अपना मूल देश छोड़कर अन्य देश में जाकर विस्थापित होती है, तो भी वह जाति अपने मूल देश को कभी नहीं भूलती, उसे सदा स्मरण करती है। पारसी लोग अपने देश फारस को छोड़कर भारत में आकर बसे, आज 800 वर्ष बाद भी उन्हें अपना मूल देश स्मरण है। फिर आर्यो को अपने मूल देश का कोई इतिहास अवशेष क्यों नहीं? अत: आर्यो को विदेशी मानना, दिन को रात मानने के समान हठ करना है।

आर्यो की भाषा संस्कृत मानी जाती है। इस भाषा का प्रचलन लाखों वर्ष पुराना है। राम के युग से यह भाषा चली आ रही हैं। राम का युग लाखों वर्ष पुराना माना जाता है अत5 आर्य भारत में लाखों वर्षो से रह रहे हैं। धीरे-धीरे संस्कृत भाषा से हिन्दी भाषा का जन्म हुआ फिर उससे अनेक भारतीय भाषाएं पल्लवित एवं पुष्पित हुई। अत: संस्कृत ही समस्त भारतीय भाषाओं की जननी है।

मोहन जोदड़ो सभ्यता की खुदाई में मिली मोहर (सील) भी हमारे प्राचीनतम धार्मिक ग्रन्थ ऋग्वेद के प्रथम अध्याय के 164.20 मन्त्र में वर्णित वृक्ष पर बैठे दो पक्षियों के दृश्य से हूबहू मेल खाती है, अत: सिद्ध होता है कि वैदिक सभ्यता मोहन जोदड़ो से पूर्व की सभ्यता है।

मनुस्मृति में आर्यावर्त (भारत) की भौगोलिक सीमाओं का वर्णन किया गया है-'उत्तर में हिमालय तथा दक्षिण में विंध्याचलपर्वत, पश्चिम में सरस्वती तथा पूर्व में ब्रह्मपुत्र नदी बहती है, उस देश का नाम आर्यावर्त्त है।

वीर सावरकर ने 'हिन्दुत्व' में स्पष्ट लिखा है-'यह सुनिनिश्चत है कि आज के विश्व में प्राचीन मिश्र तथा बैवीलॉन की प्राचीन सभ्यताएँ सुविख्यात् है। जब उनका नाम भी किसी ने नहीं सुना था तब भी पवित्र सिन्धु-सलिल की पावन कलकल ध्वनि के साथ अग्निहोत्र के यज्ञ-धूम की सुगन्ध प्रवाहित हुआ करती थी और यह महान् सिन्धु नदी तट वेदों के पावन घोष से गंजित होता था, जिससे आर्य जनों के अन्त:करण में आध्यात्मिकता की पुनीत ज्योति प्रज्ज्वलित होती थी।'

भारतीय ही नहीं, कई पाश्चात्य विद्वान् भी भारत को ही आर्यो की मूल भूमि मानते हैं। 1875 में ऑक्सफोर्ड में छपी पुस्तक 'द अर्ली आर्यन' में टी बुरों ने स्पष्ट किया है- 'The Aryan invasion of India as mentioned is no recorded document and it can`t be traced archeologically.'

अमेरिका के इतिहास वेत्ता डॉ. मिल्टन सिंगर कहते हैं- 'आर्य एवं द्रविड़ों के युद्ध का कोई वैज्ञानिक आधार नजर नहीं आता।' (द्र. हिन्दू, मद्रास)

एक और इतिहासकार एलफिन्स्टन ने 'हिस्ट्री ऑफ इण्डिया' पुस्तक में लिखा है-'वेद में, मनुस्मृति में अथवा अन्य किसी पौराणिक संस्कृत ग्रन्थ में आर्यो को भारत के अलावा और किसी देश का निवासी नहीं बताया गया है।'

भारत में अंग्रेजों ने अपना साम्राज्य सुदृढ़ करने हेतु उन्होंने यहाँ के स्वर्णिम इतिहास महान् धार्मिक ग्रन्थों, सभ्यता, संस्कृति व प्राचीन शिक्षा पद्धति को नष्ट भ्रष्ट करने का पूरा प्रयास किया। इस कार्य में मैक्समूलर तथा मैकाले जैसे विद्वानों ने अपनी अहं भूमिका निभाई। उन्होंने यहाँ के गौरवशाली इतिहास को बदलने का भरसक प्रयास किया और वे इस कुकृत्य में सफल भी हुए।

किन्तु कहावत है कि सुबह का भूला यदि शाम को घर वापस आ जाए तो भी वह भूला नहीं कहलाता। आज आजादी के 66 वर्षो के बाद भी यदि हमारी सरकार इस नेक कार्य को करने का संकल्प करती है तो भी वह बधाई की पात्र है। इससे हमारा खोया हुआ स्वर्णिम इतिहास पुनजीर्वित होगा और हमारा सोया हुआ स्वाभिमान पुन: जागृत होगा।

-मन्त्री, वैदिक मिशन मुम्बई

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् नई दिल्ली
के तत्वावधान में
89वां स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस
बुधवार, 23 दिसम्बर 2015, प्रातः 10 बजे
स्थानः बंगला नं. 2, राजनिवास मार्ग, सिविल लाईन्स, दिल्ली-54 (उपराज्यपाल निवास के साथ)

मुख्य अतिथिः-
श्री अरविन्द केजरीवाल (मुख्यमन्त्री,दिल्ली)
एवम्
श्री मनीष सिसोदिया (उपमुख्यमन्त्री, दिल्ली)
विशिष्ट अतिथिः-
श्री सतेन्द्र जैन (स्वास्थ्य मन्त्री, दिल्ली सरकार)
श्री गोपाल राय (मन्त्री, दिल्ली सरकार)
समारोह अध्यक्षः-
डा.अशोक कुमार चौहान
(संस्थापक अध्यक्ष,ऐमिटी शिक्षण संस्थान)

कृपया आर्य जन प्रातः 9.45 बजे अपना स्थान ग्रहण कर लें।

निवेदक
डा.अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष
महेन्द्र भाई राष्ट्रीय महामन्त्री

दिल्ली चलो आर्यो ॥ ओ३म् ॥ दिल्ली चलो आर्यो

कांग्रेस नेता मल्लिकाजुर्ण खड़गे के वक्तव्य "आर्य लोग बाहर से आये थे" के विरूद्ध रोष व्यक्त करने

एवम्

पूरे भारत वर्ष में गौ हत्या व गौ मांस निर्यात के विरूद्ध

विशाल धरना व प्रदर्शन

बुधवार, 16 दिसम्बर को प्रातः 10 से 2 बजे तक
नई दिल्ली के जन्तर मन्तर पर
सार्वदेशिक सभा के प्रधान स्वामी आर्य वेश जी के नेतृत्व में होगा।
सभी आर्य समाजें, संस्थायें अपना अपना बैनर, ओम ध्वज लेकर हजारों की संख्या में पंहुचे।

डा.अनिल आर्य
संयोजक व उपप्रधान,सार्वदेशिक सभा

11 ओ३म् 11

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद्(पंजीकृत)नई दिल्ली

कार्यालयः आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली–110007, फोनः9868661680

राष्ट्रीय कार्यकारिणी व सक्रिय कार्यकर्ता बैठक शनिवार, 12 दिसम्बर के सन्दर्भ में

प्रिय बन्धु,
सादर नमस्ते । सर्वप्रथम आप सभी को 132 वें महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस पर दिल्ली हाट,पीतमपुरा में आयोजित "भव्य संगीत संध्या" की अविस्मरणीय सफलता के लिए हार्दिक बधाई जिसमें 1000 से अधिक आर्य जनों ने पहुँच कर उसे सफल बनाया । पुनः धन्यवाद व बधाई ।

साथ ही आपको सूचित किया जाता है कि केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् की अन्तरंग सभा व सक्रिय कार्यकर्ताओं की एक आवश्यक बैठक शनिवार, 12 दिसम्बर 2015 को प्रातः 11.00 बजे सार्वदेशिक सभा, महर्षि दयानन्द भवन, आसिफ अली रोड़, नई दिल्ली में बुलाई गई है ।

बैठक की अध्यक्षता विद्वान आर्य नेता श्री मायाप्रकाश त्यागी करेंगे व यज्ञप्रेमी, दानवीर श्री दर्शन अग्निहोत्री अपना आशीर्वाद प्रदान करेंगे । अतः आपसे अनुरोध है कि अपना अमूल्य समय निकाल कर बैठक में ठीक समय पर अवश्य पंहुचे तथा आर्य समाज के नवनिर्माण में भागीदार बनें ।

विचारणीय विषयः-
(1) शोक प्रस्ताव ।
(2) गत् बैठक की कार्यवाही की सम्पुष्टि ।
(3) महर्षि दयानन्द बलिदान दिवस दिल्ली हाट पीतमपुरा 12 नवम्बर 2015 की समीक्षा ।
(4) सार्वदेशिक सभा द्वारा आयोजित "गौ रक्षा प्रदर्शन" बुधवार, 16 दिसम्बर 2015 को प्रातः 10 से 2 बजे तक "जन्तर मन्तर" पर– में सहयोग पर विचार ।
(5) अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन,विराट् शोभायात्रा व 251 कुण्डीय यज्ञ दिनांक 5,6,7 फरवरी 2016 को करोल बाग की तैयारी एवम् विभिन्न प्रबन्ध समितियों का गठन ।
(6) महासम्मेलन की तैयारी हेतु आगामी क्षेत्रीय व प्रान्तीय बैठकों की तिथियां तय करना ।
(7) मकर सकान्ति–लोहड़ी पर "सार्वजनिक स्थानों" पर यज्ञों का आयोजन करके नये लोगो को आर्य समाज के साथ जोड़ना व निःशुल्क ट्रैक्ट, साहित्य आदि का वितरण ।
(8) 89 वें स्वामी श्रद्धानन्द बलिदान दिवस की तैयारी ।
(9) अन्य विषय अध्यक्ष जी की आज्ञा से ।

– प्रीति भोज दोपहर 1.30 बजे
भवदीय

डा.अनिल आर्य राष्ट्रीय अध्यक्ष
महेन्द्र भाई राष्ट्रीय महामन्त्री

विशेषः सभी शाखायें 19 दिसम्बर को "अमर शहीद पं.रामप्रसाद बिस्मिल के बलिदान दिवस" पर व 26 जनवरी को "गणतन्त्र दिवस" पर अपने अपने क्षेत्र में भाषण, निबन्ध, विचार-गोष्ठी, संगीत, खेल कूद प्रतियोगिता, सामुहिक शाखा आदि आयोजित करके धूमधाम से मनायें।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के 37 वें वार्षिकोत्सव के उपलक्ष्य में

आर्य नेता, शिक्षाविद् **डा. अशोक कुमार चौहान** के सानिध्य एवं
युवा वैदिक विद्वान डा. जयेन्द्र आचार्य के ब्रह्मत्व में

251 कुण्डीय विराट् यज्ञ

एवम्

अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन

दिनांक : 5, 6, 7 फरवरी 2016 (शुक्र, शनि व रविवार)

स्थानः अजमल खाँ पार्क, करोलबाग, नई दिल्ली–110005

विराट् शोभा यात्राः शुक्रवार 5 फरवरी 2016, प्रातः 10:30 बजे

रूटः अजमलखाँ पार्क से चलकर फैज रोड, मॉडल बस्ती, ईस्ट पार्क रोड, डोरीवालान, देशबन्धु गुप्ता मार्ग, आर्य समाज रोड, करोल बाग, मास्टर पृथ्वीनाथ मार्ग होते हुए अजमल खाँ पार्क में दोपहर 1:30 बजे समापन।

मुख्य आकर्षण

* आर्य युवा सम्मेलन * वेद सम्मेलन * शिक्षा–संस्कृति रक्षा सम्मेलन
* भव्य संगीत संध्या * नारी शक्ति सम्मेलन * राष्ट्रीय आर्य महासम्मेलन

प्रातः से रात्रि निरन्तर तीनों दिन ऋषि लंगर की सुन्दर व्यवस्था

1. दिल्ली के बाहर से आने वाले आर्य बन्धु अपने पधारने की संख्या के बारे में 3 जनवरी 2016 तक सूचित करने की कृपा करें जिससे भोजन व आवास आदि का उचित प्रबन्ध किया जा सके। सम्पर्कः श्री आदर्श कुमार–9811440502, आचार्य गवेन्द्र शास्त्री–9810884124
2. कृपया यजमान बनने के इच्छुक आर्य बन्धु व आर्य समाजें अपना यज्ञकुण्ड 3 जनवरी 2016 तक गोपाल जैन–9810756571, कमल आर्य–9953995003, ऋषिपाल शास्त्री–9891148729, अरुण आर्य–9818530543, जयप्रकाश शास्त्री–9810897878 पर आरक्षित करवा लें।

हज़ारों की संख्या में पहुँचकर आर्य समाज की विराट् संगठन शक्ति का परिचय दें

अपील

इस रचनात्मक विशाल कार्यक्रम में आपका तन, मन, धन से सहयोग अपेक्षित है कृपया दानराशी क्रास चैक/ड्राफ्ट द्वारा "केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् दिल्ली" के नाम से कार्यालय के पते पर भिजवायें। ऋषि–लंगर के लिए आटा, दाल,

कार्यालय : आर्य समाज, कबीर बस्ती, पुरानी सब्जी मण्डी, दिल्ली–110007, मो. 9868661680
E-mail: aryayouthn@gmail.com **Website:** www.aryayuvakparishad.com
Group: aryayouthgroup@yahoogroups.com • join-http:// www.facebook.com/group/aryayouth

दिल्ली सरकार के मन्त्री श्री सत्येन्द्र जैन व श्री गोपाल राय का अभिनन्दन

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के प्रतिनिधि मण्डल ने दिल्ली सरकार के मन्त्री श्री सत्येन्द्र जैन से भेंट की, चित्र में श्री जैन को महर्षि दयानन्द का चित्र भेंट करते डा. अनिल आर्य, सुरेश आर्य, गोपाल जैन, विनोद कुमार, ओमप्रकाश गुप्ता, राकेश आर्य, सुशील घई, अरूण आर्य व द्वितीय चित्र में श्री गोपाल राय का स्वागत करते डा. अनिल आर्य, रामकुमार सिंह, सुरेश आर्य, देवेन्द्र भगत, वेदप्रकाश आर्य, अरूण आर्य, अनिल हाण्डा, विनोद कुमार व रणसिंह राणा।

सोनीपत व गाजियाबाद में आर्य महासम्मेलन की तैयारी को लेकर भारी उत्साह

आगामी 5,6,7 फरवरी 2016 को दिल्ली के अजमल खां पार्क करोल बाग में होने वाले अखिल भारतीय आर्य महासम्मेलन व 251 कुण्डीय यज्ञ की तैयारी के लिये सोनीपत के विजय हाई स्कूल सिक्का कालोनी में बैठक सम्पन्न हुई, प्रान्तीय प्रभारी श्री मनोहरलाल चावला को सम्मानित करते डा. अनिल आर्य, श्री गुलशनलाल निझावन, श्री हरिचन्द स्नेही, श्री धर्मपाल आर्य, श्री अंकुर आर्य, श्री दिनेश आर्य व श्री हरबंसलाल अरोड़ा। द्वितीय चित्र–गाजियाबाद के गुरूकुल के प्रबन्धक श्री जगदीशचन्द शर्मा का अभिनन्दन करते डा. अनिल आर्य, श्री रामकुमार सिंह, श्री सौरभ गुप्ता,श्री अरूण आर्य, विकास आर्य आदि।

कांग्रेस नेता मल्लिकाजुर्ण खड़गे का वक्तव्य निन्दनीय व अज्ञानता का परिचायक

रविवार, 29 नवम्बर 2015,आर्य समाज, सैक्टर–28–31, फरीदाबाद के 16 वें वार्षिकोत्सव पर मुख्य अतिथि परिषद् के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा.अनिल आर्य ने संविधान दिवस पर संसद में दिए सांसद मल्लिकाजुर्ण खड़गे के वक्तव्य की कड़ी आलोचना की कि ''आर्य बाहर से आये थे'' डा.आर्य ने कहा कि आर्य ही इस देश के मूल निवासी हैं, श्री खड़गे का वक्तव्य अज्ञानता पूर्ण है अभी उन्हें ओर पढ़ने की आवश्यकता है, डा.आर्य ने मांग की कि श्री मल्लिकाजुर्ण अविलम्ब खेद प्रकट करके माफी मांगे अन्यथा आर्य समाज आन्दोलन चलायेगा। चित्र में डा. अनिल आर्य सम्बोधित करते हुए, द्वितीय चित्र में–माता विमल कपूर का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य,श्री रविचन्द गुप्ता,आचार्य सुभाष, सुशील आर्य, समाज के मन्त्री सत्यप्रकाश भारद्वाज।

पलवल जवाहर नगर का उत्सव सम्पन्न व सिविल जज प्रगति राणा का अभिनन्दन

रविवार, 29 नवम्बर 2015, आर्य समाज,जवाहर नगर, पलवल (हरियाणा) का वार्षिकोत्सव सोल्लास सम्पन्न हुआ, चित्र में–श्रीमती पुष्पा गुलहार व उनके सुपुत्र श्री राजेन्द्र गुलहार का अभिनन्दन करते डा.अनिल आर्य व आचार्या निशा (कन्या गुरूकुल हसनपुर), समारोह का कुशल सचांलन प्रधान प्रो.जयप्रकाश आर्य ने किया,स्वामी श्रद्धानन्द जी के ओजस्वी प्रवचन हुए व सतीश आर्य ने व्यवस्था सम्भाली। द्वितीय चित्र–दिल्ली देहात के सुप्रसिद्वगुरूकुल खेड़ाखुर्द में आयोजित भव्य समारोह में कादीपुर गांव की बेटी प्रगति राणा सुपुत्री श्रीमती आशा व जगवन्तसिंह राणा के हरियाणा में सिविल जज बनने पर अभिनन्दन किया गया, साथ में दादी श्रीमती धनपतिदेवी, श्रीमती किताबकौर मान, शक्तिसिंह राणा, पार्षद अरूणा, हरपालसिंह राणा, चन्द्रमोहन राणा, प्रधान चौ.ब्रह्मप्रकाश मान व आचार्य सुधांशु जी। सुन्दर प्रबन्ध श्री मनोज मान ने सम्भाला।

शोक समाचार: विनम्र श्रद्धांजलि

1. श्री पी.एन.कौल (पूर्व कोषाध्यक्ष, डी.ए.वी. कॉलेज प्रबन्धकर्त्री सभा) का निधन।
2. श्रीमती सत्या आहूजा (रानी बाग, दिल्ली) का निधन।
3. श्रीमती कान्ता सेठी (धर्मपत्नी श्री ओमप्रकाश सेठी, फरीदाबाद) का निधन।
4. श्रीमती प्रभा सेठी (प्रभारी, आर्य युवती परिषद्, दिल्ली प्रदेश) का निधन हो गया, उनके नेतृत्व में युवतियों के कई सफल शिविर आयोजित हुए, उनकी कमी सदैव अखरती रहेगी।

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**,2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली–5 दूरभाष : 41548503 मो. : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी–176–177, कबीर बस्ती, दिल्ली–7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970